RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12th | राजनीतिक विज्ञान

ई- पाठशाला

समकालीन विश्व में सुरक्षा

ONE SHOT

पूरा चैप्टर एक ही क्लास में ...

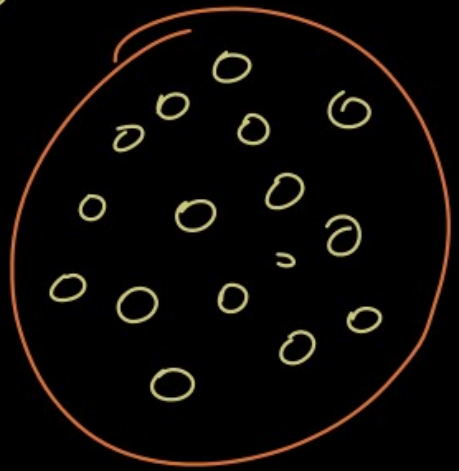
LIVE | 24 SEP | 6:30 PM



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

सुरक्षा।



परिचय

- विश्व-राजनीति में 'सुरक्षा' तथा 'राष्ट्रीय सुरक्षा' अत्यंत महत्त्वपूर्ण अवधारणाएँ हैं।
- लोकतंत्र में सुरक्षा से जुड़े प्रश्नों को केवल गुप्त विषय मानकर खुली चर्चा से दूर नहीं रखा जा सकता।
- सुरक्षा की समझ के लिए संदर्भ और परिस्थिति का ध्यान रखना आवश्यक है।
- सुरक्षा के दो प्रमुख दृष्टिकोण हैं:
  - पारंपरिक सुरक्षा
  - अपारंपरिक सुरक्षा

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–

Q.1 सुरक्षा के दो मुख्य स्वरूप कौन-से हैं?

[RBSE-2024]



सुरक्षा क्या है?

A. मूल अर्थ

- सुरक्षा = खतरे से आजादी।
- प्रत्येक छोटे खतरे को सुरक्षा का प्रश्न नहीं माना जा सकता।
- सुरक्षा का संबंध उन गंभीर खतरों से है जो हमारे केंद्रीय मूल्यों को अपूरणीय क्षति पहुँचा सकते हैं।

B. सुरक्षा से जुड़े प्रमुख प्रश्न

- सुरक्षा →
  - सुरक्षा किसकी?
  - सुरक्षा किन मूल्यों की?
  - सुरक्षा किन खतरों से?
  - खतरा कितना गंभीर है?
  - सुरक्षा प्राप्त करने का तरीका क्या हो?

C. महत्त्वपूर्ण निष्कर्ष

- सुरक्षा एक विवादग्रस्त धारणा है।
- अलग-अलग
  - समाज
  - देश
  - काल
  - परिस्थितियाँ
- सुरक्षा को अलग-अलग ढंग से समझ सकते हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–

Q.1 सुरक्षा का बुनियादी अर्थ क्या है?

[Model Paper-2026]



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q.2 सुरक्षा का बुनियादी अर्थ क्या है?

[Model Paper-2024]



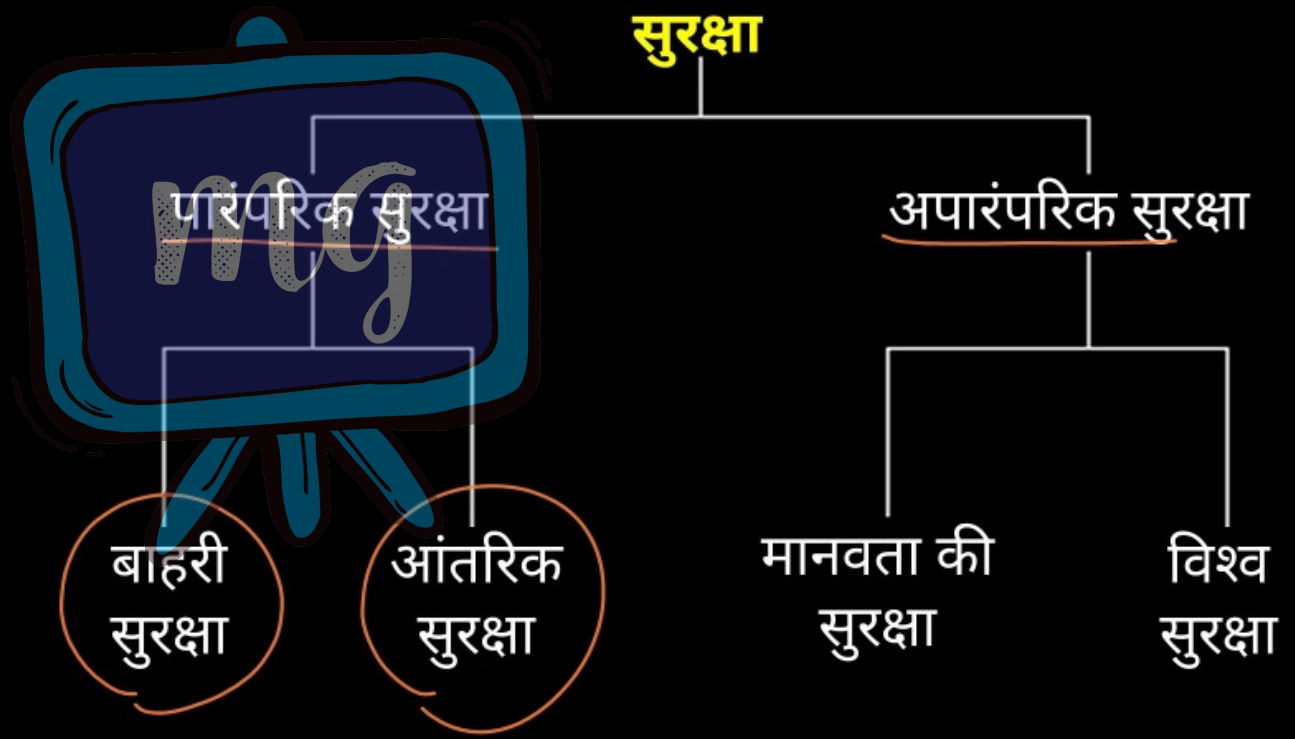
पारंपरिक सुरक्षा : बाहरी सुरक्षा



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

I. सुरक्षा की प्रमुख धारणाएँ



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

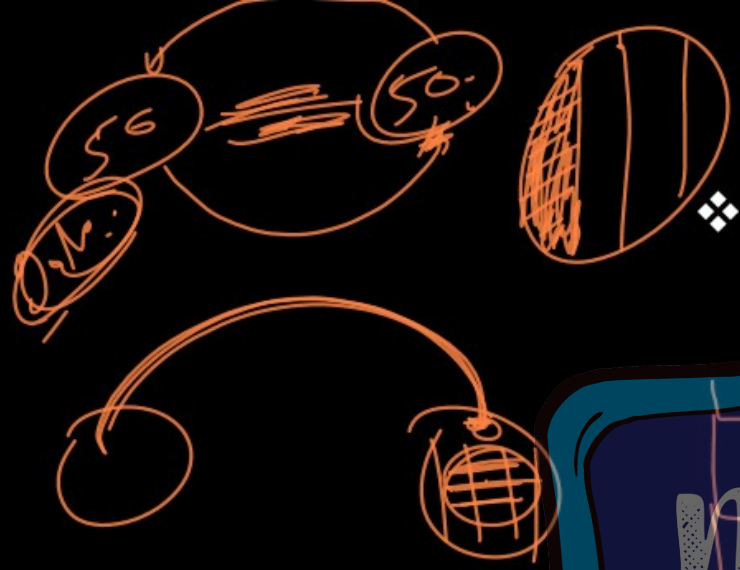
II. पारंपरिक सुरक्षा की धारणा

(i) अर्थ

- पारंपरिक सुरक्षा को मुख्यतः राष्ट्रीय सुरक्षा से जोड़ा जाता है।
- इसमें सैन्य खतरे को देश के लिए सबसे गंभीर खतरा माना जाता है।
- खतरे का स्रोत सामान्यतः दूसरा देश होता है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

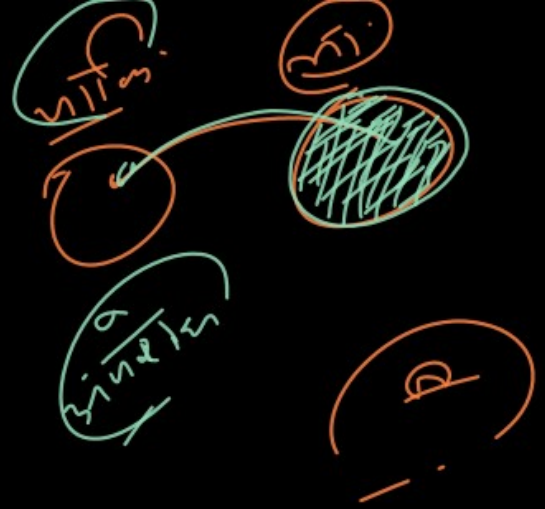


❖ सैन्य हमला निम्न केंद्रीय मूल्यों को खतरा पहुँचा सकता है:

- संप्रभुता
- स्वतंत्रता
- क्षेत्रीय अखंडता

❖ युद्ध केवल सैनिकों को ही नहीं बल्कि आम नागरिकों को भी प्रभावित करता है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN



missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

III. युद्ध की स्थिति में सरकार के विकल्प

किसी बाहरी सैन्य खतरे की स्थिति में सरकार के सामने मुख्यतः तीन विकल्प होते हैं:

1. **आत्मसमर्पण :** दूसरे पक्ष की बात बिना युद्ध किए स्वीकार करना।
2. **अपरोध :** संभावित विनाश की ऐसी चेतावनी देना जिससे दूसरा पक्ष हमला करने से पीछे हट जाए।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

3. रक्षा :

- युद्ध होने पर :
  - हमलावर को उसके उद्देश्य में सफल न होने देना।
  - उसे पीछे हटने के लिए मजबूर करना।
  - आवश्यकता पड़ने पर उसे पराजित करना।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Notes

सैन्य खतरा

- आत्मसमर्पण
- अपरोध
  - हमला होने से रोकना
- रक्षा
  - हमला होने पर उसका मुकाबला



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

IV. पारंपरिक सुरक्षा-नीति के प्रमुख तत्त्व

A. अपरोध



- उद्देश्य → युद्ध की आशंका को रोकना।
- विरोधी को यह विश्वास दिलाना कि हमला उसके लिए अत्यधिक नुकसानदेह होगा।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

B. रक्षा

- युद्ध आरंभ होने पर उसे:
  - सीमित करना
  - समाप्त करना
  - हमलावर को सफल होने से रोकना।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

C. शक्ति-संतुलन

अर्थ

- दूसरे देशों की तुलना में अपनी शक्ति को ऐसी स्थिति में रखना जिससे सुरक्षा को खतरा न हो।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

❖ विशेषताएँ

➢ कोई पड़ोसी देश वर्तमान में हमले की तैयारी न कर रहा हो, फिर भी उसकी अधिक शक्ति भविष्य में खतरा बन सकती है।

➢ विशेष ध्यान उन देशों पर रहता है:

- जो निकट हों
- जिनसे अनबन हो
- जिनसे पहले युद्ध हो चुका हो।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

❖ **शक्ति-संतुलन के आधार**

➤ सैन्य शक्ति

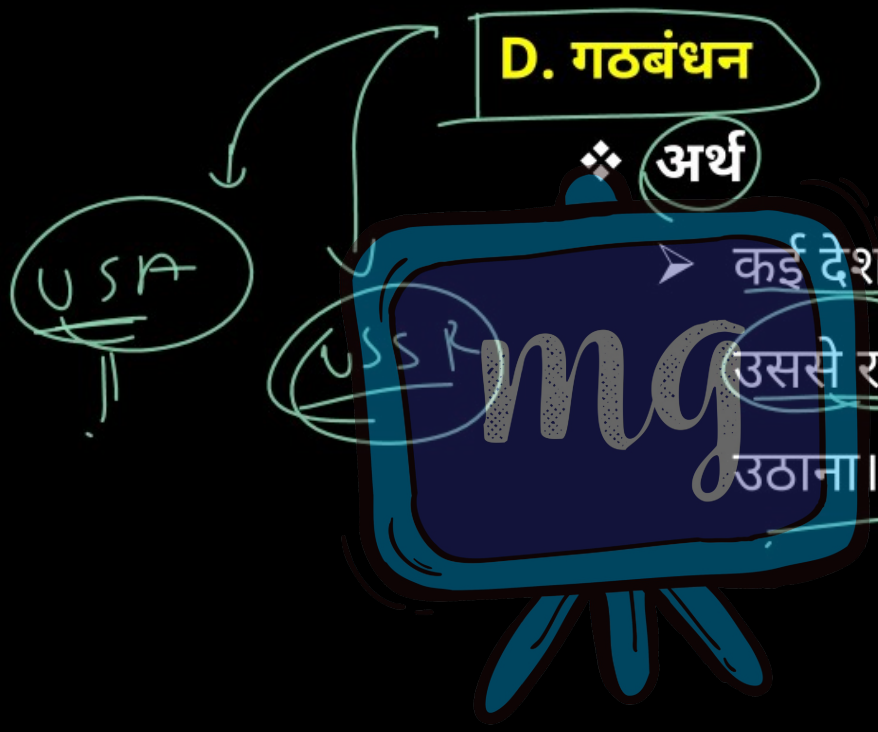
➤ आर्थिक शक्ति

➤ प्रौद्योगिकीय शक्ति

❖ आर्थिक और प्रौद्योगिकीय शक्ति सैन्य शक्ति के महत्त्वपूर्ण आधार हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



D. गठबंधन

❖ अर्थ

- कई देशों का सैन्य हमले को रोकने अथवा उससे रक्षा करने के लिए सामूहिक कदम उठाना।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



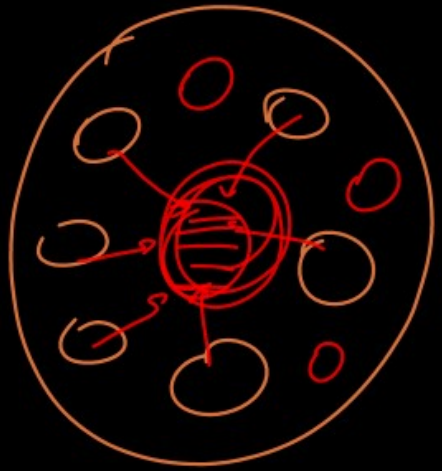
❖ विशेषताएँ

- सामान्यतः लिखित संधि पर आधारित।
- खतरे का स्रोत स्पष्ट होता है।
- उद्देश्य → अपनी सामूहिक शक्ति का प्रभाव बढ़ाना।
- गठबंधन राष्ट्रीय हितों पर आधारित होते हैं।
- राष्ट्रीय हित बदलने पर गठबंधन भी बदल सकते हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

V. अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था और सुरक्षा

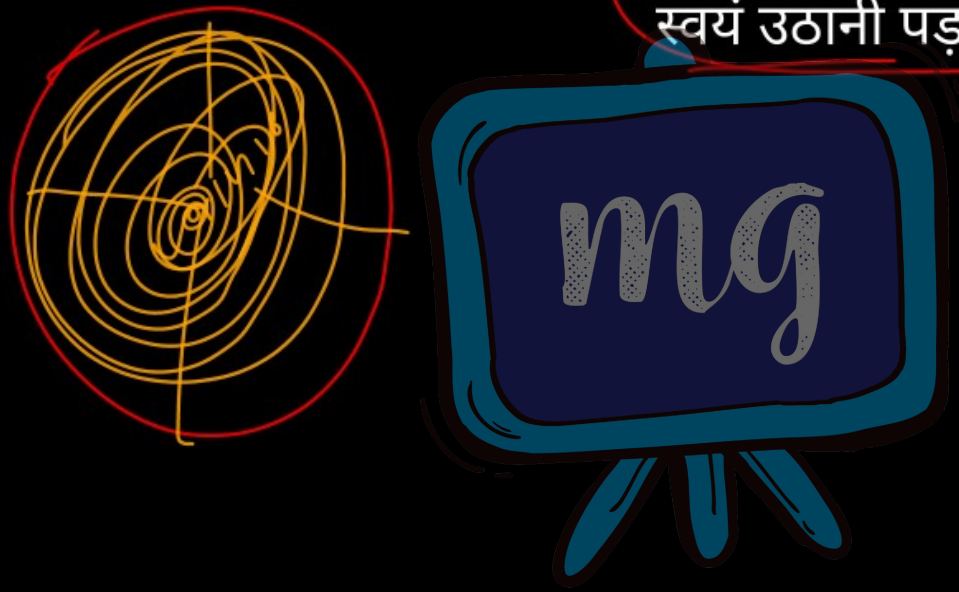


- सुरक्षा की पारंपरिक धारणा में खतरा मुख्यतः सीमा के बाहर से माना जाता है।
- किसी देश के भीतर कानून लागू करने के लिए सरकार मौजूद होती है।
- परंतु विश्व-राजनीति में सभी देशों पर नियंत्रण रखने वाली कोई सर्वोच्च केंद्रीय सत्ता नहीं है।
- संयुक्त राष्ट्रसंघ को उतनी ही शक्ति प्राप्त होती है जितनी उसके सदस्य देश उसे सौंपते हैं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- इसलिए प्रत्येक देश को अपनी सुरक्षा की जिम्मेदारी स्वयं उठानी पड़ती है।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

बहुविकल्पात्मक प्रश्न

Q.1 युद्ध की आशंका को सुरक्षा नीति द्वारा रोकना कहलाता है— [RBSE-2024]

A 1111

B 1111

C 1111

D 1111

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

रिक्त स्थान

Q.1 युद्ध की आशंका को रोकने की नीति को _____ कहते हैं। [Model Paper-2025]



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

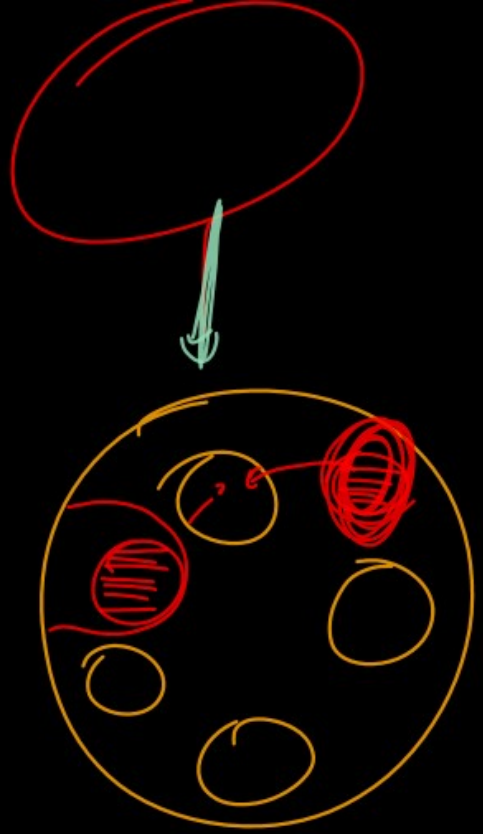
missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

पारंपरिक सुरक्षा : आंतरिक सुरक्षा



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



I. मूल विचार

- बाहरी सुरक्षा के साथ आंतरिक शांति और कानून-व्यवस्था भी आवश्यक है।
- यदि देश के भीतर रक्तपात या हिंसा हो रही हो तो वह बाहरी खतरों से प्रभावी ढंग से नहीं निपट सकता।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

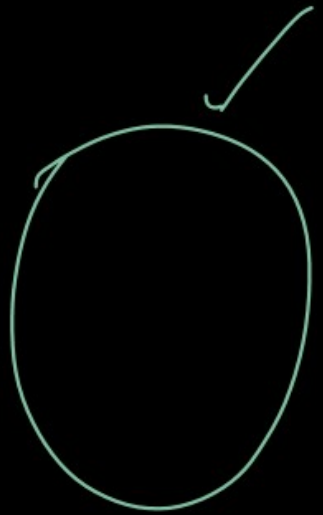
missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

II. द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद स्थिति

- शक्तिशाली देशों में आंतरिक सुरक्षा को अपेक्षाकृत कम चिंता का विषय माना गया।
- अमेरिका और सोवियत संघ अपनी सीमाओं के भीतर अपेक्षाकृत एकीकृत और शांत माने गए।
- कई पश्चिमी यूरोपीय देशों ने अपना ध्यान सीमापार खतरों पर केंद्रित किया।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



प्रमुख बाहरी संदर्भ

- शीतयुद्ध
- अमेरिकी नेतृत्व वाला पश्चिमी गुट
- सोवियत संघ के नेतृत्व वाला साम्यवादी गुट
- दोनों पक्षों में सैन्य हमले का भय।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



III. नव-स्वतंत्र देशों की सुरक्षा चुनौतियाँ

एशिया और अफ्रीका के नव-स्वतंत्र देशों की सुरक्षा-चुनौतियाँ दोहरी थीं:

A. बाहरी खतरा

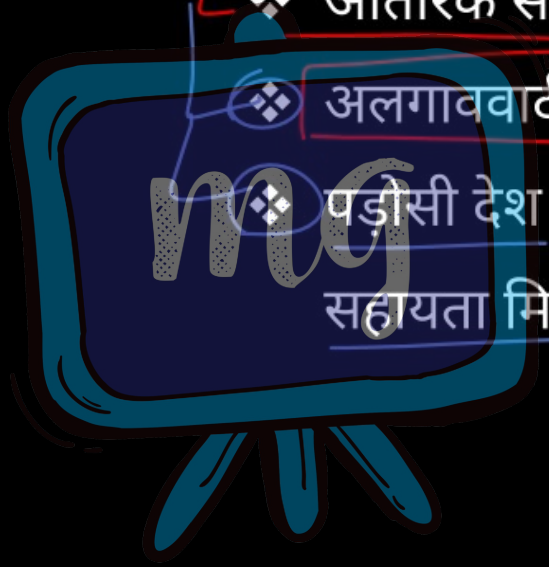
- पड़ोसी देशों से सैन्य हमला।
- सीमा और भूक्षेत्र संबंधी विवाद।
- आबादी पर नियंत्रण को लेकर विवाद।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

B. आंतरिक खतरा

- आंतरिक सैन्य संघर्ष।
- अलगाववादी आंदोलन।
- पड़ोसी देश द्वारा अलगाववादी आंदोलनों को सहायता मिलने की आशंका।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

C. तथ्य

- विश्व के सशस्त्र संघर्षों में 95 प्रतिशत आंतरिक युद्ध के अंतर्गत बताए गए हैं।
- 1946–1991 के बीच गृहयुद्धों की संख्या में बारह गुना वृद्धि हुई।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

D. निष्कर्ष



नव-स्वतंत्र देशों की सुरक्षा

- पड़ोसी देशों से युद्ध का खतरा
- देश के भीतर संघर्ष

सुरक्षा के पारंपरिक तरीके



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

I. युद्ध में हिंसा की सीमा

पारंपरिक सुरक्षा में हिंसा का प्रयोग यथासंभव सीमित रखने पर जोर दिया जाता है।

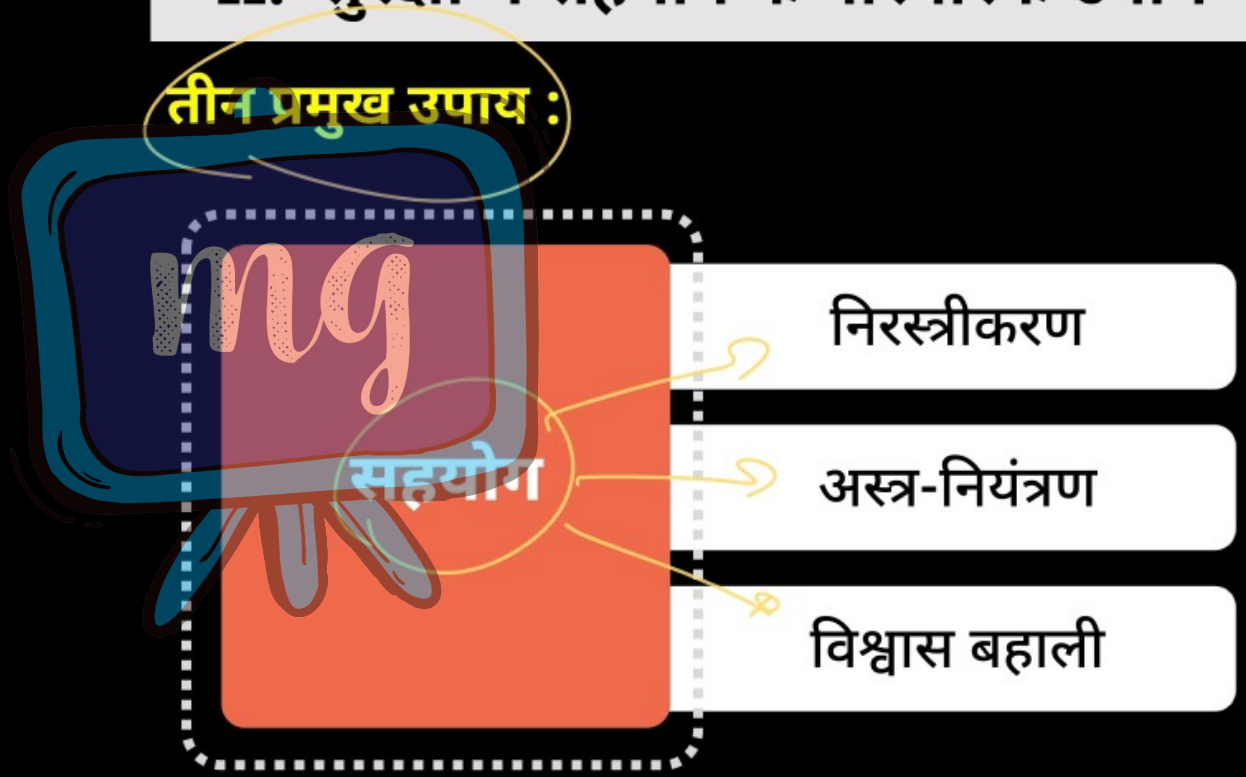
A. युद्ध का उचित आधार

- आत्मरक्षा
- दूसरों को जनसंहार से बचाना

B. बल प्रयोग के सिद्धांत

- संघर्ष से अलग हो चुके शत्रु को न मारना।
- निहत्थे व्यक्ति को न मारना।
- आत्मसमर्पण करने वाले शत्रु को न मारना।
- केवल उतना बल प्रयोग करना जितना आत्मरक्षा के लिए आवश्यक हो।
- बल का उपयोग अंतिम विकल्प के रूप में करना।

II. सुरक्षा में सहयोग के पारंपरिक उपाय



I. निरस्त्रीकरण

A. अर्थ

- राज्यों द्वारा कुछ विशेष प्रकार के हथियारों को त्यागना।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

B. उदाहरण

संधि	वर्ष	उद्देश्य
जैविक हथियार संधि (BWC)	1972	जैविक हथियारों को बनाना एवं रखना प्रतिबंधित
रासायनिक हथियार संधि (CWC)	1997	रासायनिक हथियारों को बनाना एवं रखना प्रतिबंधित

- BWC पर 155 से अधिक देशों के हस्ताक्षर।
- CWC पर 193 देशों के हस्ताक्षर।

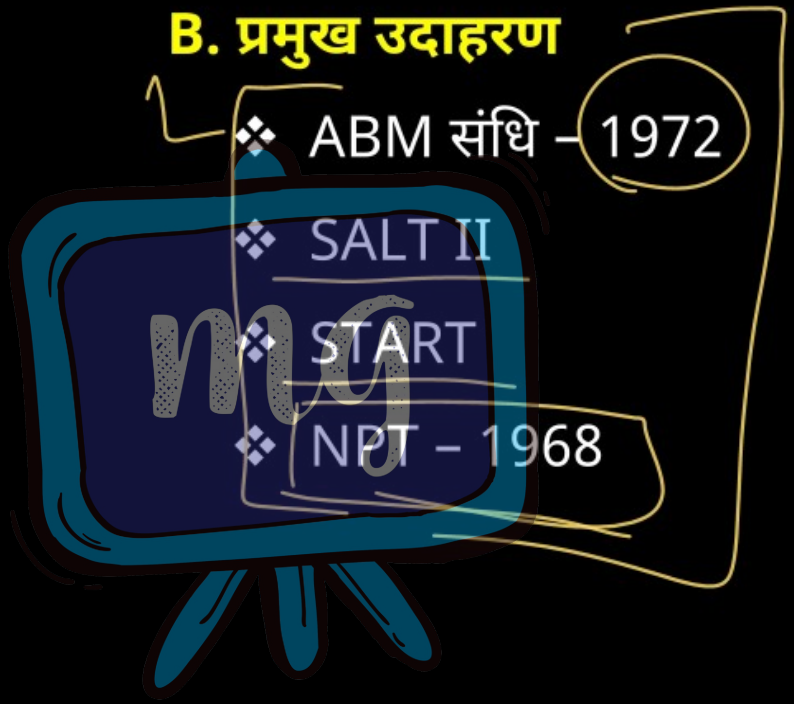
II. अस्त्र-नियंत्रण

A. अर्थ

- हथियारों को विकसित करने अथवा प्राप्त करने के संबंध में नियम और प्रतिबंध लागू करना।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

C. NPT



- 1967 से पहले परमाणु हथियार बनाने अथवा परीक्षण करने वाले देशों को उन्हें रखने की अनुमति।
- अन्य देशों को परमाणु हथियार हासिल करने के अधिकार से वंचित किया गया।
- इसने परमाणु हथियार समाप्त नहीं किए, लेकिन इन्हें प्राप्त करने वाले देशों की संख्या सीमित करने का प्रयास किया।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

III. विश्वास बहाली के उपाय

A. उद्देश्य

- गलतफहमी के कारण युद्ध होने की संभावना कम करना।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

B. प्रमुख उपाय

- नियमित रूप से सूचना और विचारों का आदान-प्रदान।
- सैन्य उद्देश्यों की जानकारी देना।
- सैन्य योजनाओं के कुछ हिस्सों की जानकारी देना।
- सैन्य बलों की प्रकृति बताना।
- उनकी तैनाती की जानकारी देना।

C. परिणाम

- विरोधी को यह आश्वासन कि अचानक हमला करने की योजना नहीं है।

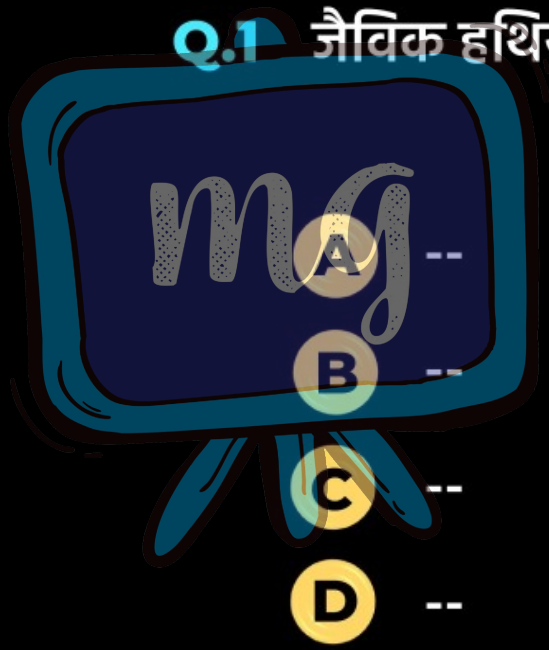
RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

बहुविकल्पात्मक प्रश्न

Q.1 जैविक हथियार संधि कब हुई?

[Model Paper-2024]



रिक्त स्थान-

Q.1 परमाणु अप्रसार संधि _____ में हुई।

[Model Paper-2024]

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q.2 रासायनिक हथियार सम्मेलन पर हस्ताक्षर _____ में हुए। **[RBSE-2026]**



अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–

Q.1 जैविक हथियार संधि सर्वप्रथम कब हुई?

[RBSE-2022]

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

Q.1 निरस्त्रीकरण से क्या अभिप्राय है?

[RBSE-2024]



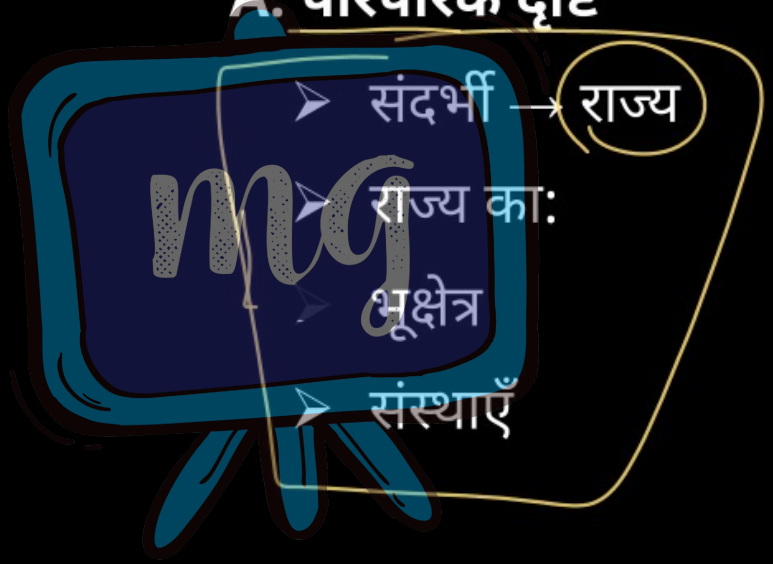
सुरक्षा की अपारंपरिक धारणा

i. अर्थ

- केवल सैन्य खतरों तक सीमित नहीं।
- मानवीय अस्तित्व को प्रभावित करने वाले व्यापक खतरों को शामिल करती है।

ii. मुख्य प्रश्न

A. पारंपरिक दृष्टि



B. **अपारंपरिक दृष्टि :** सुरक्षा चाहिए:

- व्यक्तियों को
- समुदायों को
- समूची मानवता को।

इसी कारण इसे :

1. मानवता की सुरक्षा
2. विश्व सुरक्षा भी कहा जाता है।

I. मानवता की सुरक्षा



A. केंद्रीय विचार

- जनता की सुरक्षा को केवल राज्य की सुरक्षा तक सीमित नहीं किया जा सकता।
- राज्य की सुरक्षा और जनता की सुरक्षा पूरक होनी चाहिए।
- सुरक्षित राज्य का अर्थ हमेशा सुरक्षित जनता नहीं होता।

B. मानवता की सुरक्षा का प्राथमिक लक्ष्य

- व्यक्ति की संरक्षा

आधार	संकीर्ण दृष्टिकोण	व्यापक दृष्टिकोण
मुख्य खतरा	हिंसा एवं खून-खराबा	हिंसा + अकाल + महामारी + आपदा
केंद्र	व्यक्ति एवं समुदाय	मानव अस्तित्व का व्यापक संरक्षण
व्यापकतम रूप		आर्थिक सुरक्षा एवं मानवीय गरिमा

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

व्यापकतम दृष्टिकोण



- मानवता की सुरक्षा
  - भय से मुक्ति
  - अभाव से मुक्ति

II. विश्व सुरक्षा

A. उदय

- विश्व सुरक्षा की धारणा 1990 के दशक में प्रमुख हुई।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

B. कारण

- **वैश्विक प्रकृति के खतरे:**
  - वैश्विक तापवृद्धि
  - अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद
  - एड्स
  - बर्ड फ्लू जैसी महामारियाँ

C. विशेषता

- कोई एक देश अकेले इन समस्याओं का समाधान नहीं कर सकता।
- इसलिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग आवश्यक है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

D. वैश्विक तापवृद्धि का उदाहरण

- समुद्र-तल में 2 मीटर वृद्धि की स्थिति में:
  - बांग्लादेश का 20% हिस्सा डूब सकता है।
  - लगभग पूरा मालदीव समुद्र में समा सकता है।
  - थाईलैंड की 50% आबादी खतरे में पड़ सकती है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न–

Q.1 सुरक्षा की अपारंपरिक धारणा के दो पक्ष कौन-से हैं?

[RBSE-2022, RBSE-2023]



लघूत्तरात्मक प्रश्न–

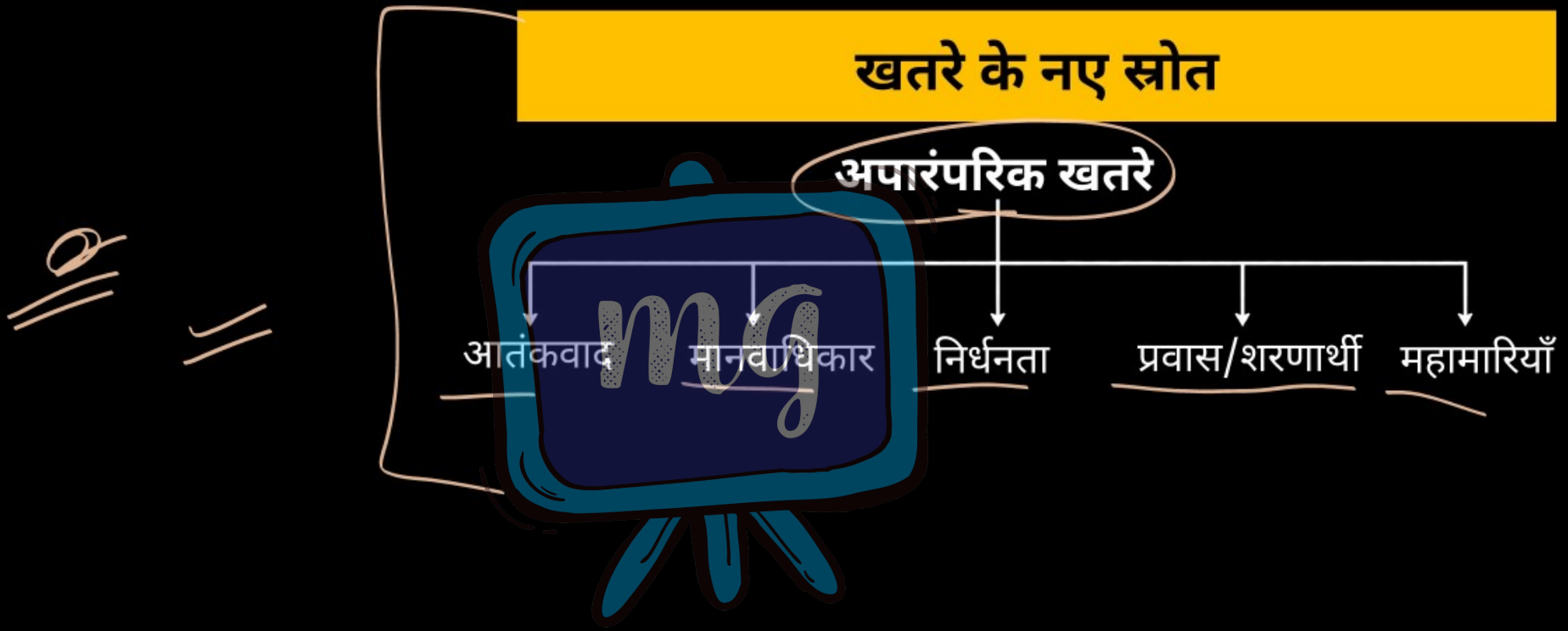
Q.1 सुरक्षा का अर्थ बताते हुए पारंपरिक एवं अपारंपरिक सुरक्षा की विवेचना कीजिए।

[RBSE-2025]

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

खतरे के नए स्रोत



I. आतंकवाद

A. अर्थ

- राजनीतिक खून-खराबा, जिसमें जानबूझकर नागरिकों को निशाना बनाया जाता है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

B. अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद

- एक से अधिक देशों में फैला होता है।
- कई देशों के नागरिक इसके निशाने पर होते हैं।



C. उद्देश्य

- किसी राजनीतिक परिस्थिति को:
  - बल प्रयोग
  - बल प्रयोग की धमकी

से बदलना।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

D. प्रमुख तरीके

- विमान अपहरण।
- भीड़भाड़ वाली जगह पर बम लगाना
  - रेलगाड़ी
  - होटल
  - बाजार आदि।



11 सितंबर 2001

- अमेरिका के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर आतंकवादी हमला।
- इसके बाद आतंकवाद पर अधिक अंतर्राष्ट्रीय ध्यान गया।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

II. मानवाधिकार

मानवाधिकारों को तीन कोटियों में रखा गया है:

A. राजनीतिक अधिकार

- अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता।
- सभा करने की स्वतंत्रता।

B. आर्थिक और सामाजिक अधिकार

C. विशेष समुदायों के अधिकार

- उपनिवेशीकृत जनता।
- जातीय अल्पसंख्यक।
- मूलवासी अल्पसंख्यक।

D. प्रमुख विवाद

- कौन से अधिकार सार्वभौम मानवाधिकार हैं?
- मानवाधिकार उल्लंघन पर अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को क्या करना चाहिए?

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

E. संयुक्त राष्ट्रसंघ के हस्तक्षेप पर बहस

- 1990 के दशक में बहस से जुड़े उदाहरण:
  - रवांडा में जनसंहार।
  - कुवैत पर इराक का हमला।
  - पूर्वी तिमूर में इंडोनेशियाई सेना का रक्तपात।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

पक्ष

- मानवाधिकारों की रक्षा के लिए अंतर्राष्ट्रीय समुदाय हस्तक्षेप कर सकता है।

आशंका

- शक्तिशाली देशों के हित यह तय कर सकते हैं कि कहाँ हस्तक्षेप किया जाए और कहाँ नहीं।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

III. वैश्विक निर्धनता

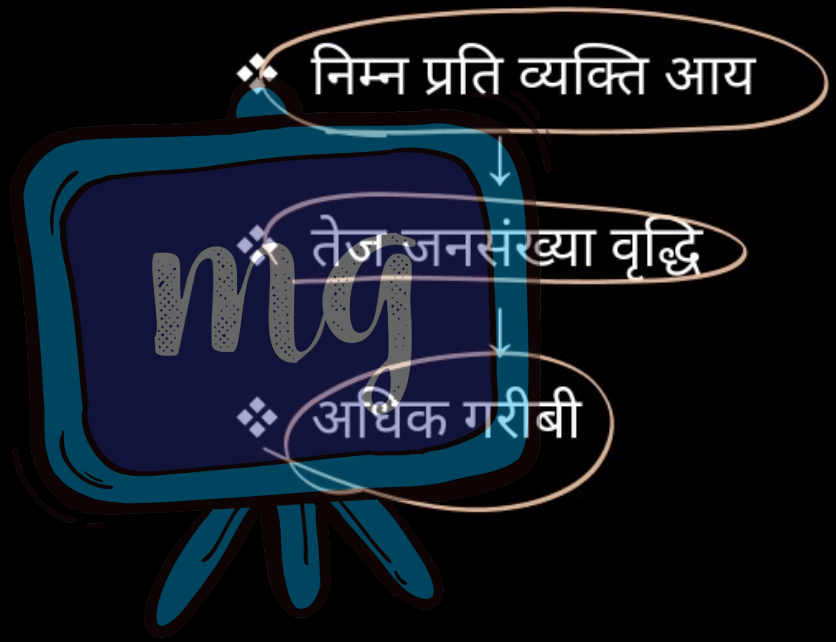
A. प्रमुख तथ्य

- विश्व जनसंख्या → 760 करोड़
- 21वीं सदी के मध्य तक अनुमान → 1000 करोड़
- विश्व जनसंख्या वृद्धि का 50% छह देशों में :
  - भारत
  - चीन
  - पाकिस्तान
  - नाइजीरिया
  - बांग्लादेश
  - इंडोनेशिया

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

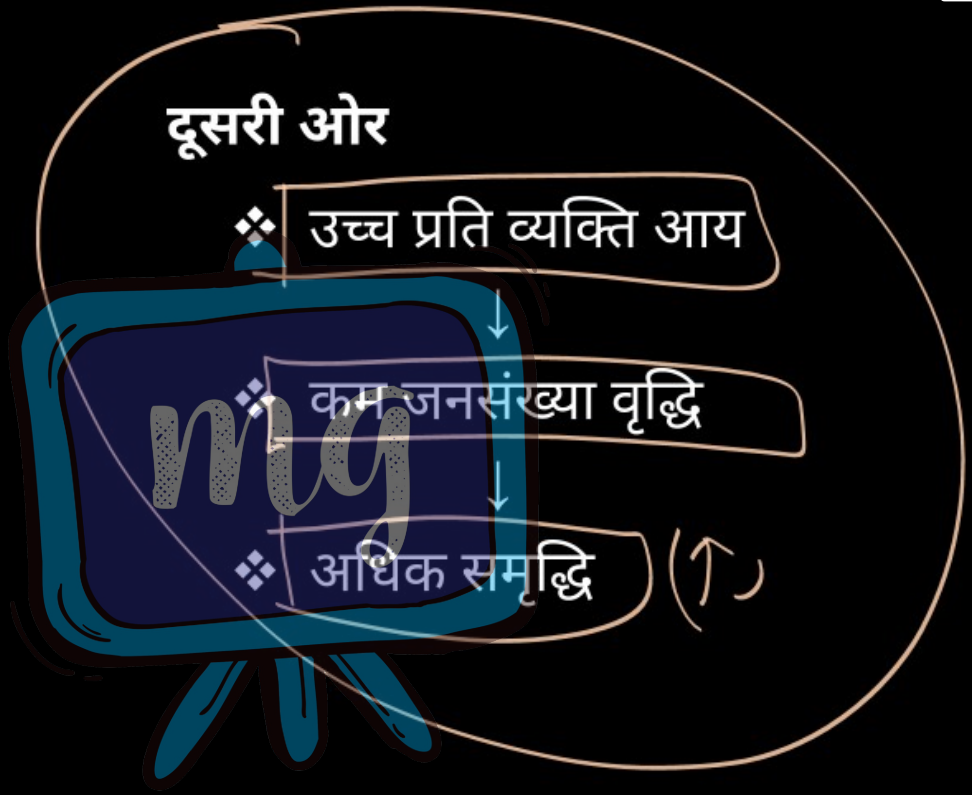
missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

B. गरीबी का चक्र



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

mg missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

C. उत्तर-दक्षिण विभाजन

- विश्व की आर्थिक असमानता उत्तरी गोलार्द्ध और दक्षिणी गोलार्द्ध के देशों को अलग करती है।
- सहारा मरुस्थल के दक्षिणवर्ती अफ्रीकी देशों में बड़ी संख्या में सशस्त्र संघर्ष होते हैं।

आय, स्वास्थ्य और असमानता

आयु-प्रत्याशा से संबंधित दिए गए तथ्य		
क्षेत्र/देश	आयु-प्रत्याशा	निजी आय
सहारा के दक्षिणवर्ती देश	40 वर्ष	
क्यूबा	70 वर्ष	540 डॉलर
श्रीलंका	80 वर्ष	200 डॉलर
ब्राजील	61 वर्ष	750 डॉलर
लीबिया	53 वर्ष	3000 डॉलर

निष्कर्ष

- केवल आय का स्तर पर्याप्त नहीं।
- आय और सेवाओं के वितरण का समाज के स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव पड़ता है।

शिशु मृत्यु दर	
क्षेत्र	दी गई स्थिति
स्वीडन	1000 में 3
विकसित देश	100 में 1
भारतीय उपमहाद्वीप	7 में 1
अफ्रीका के कुछ हिस्से	5 में 1

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

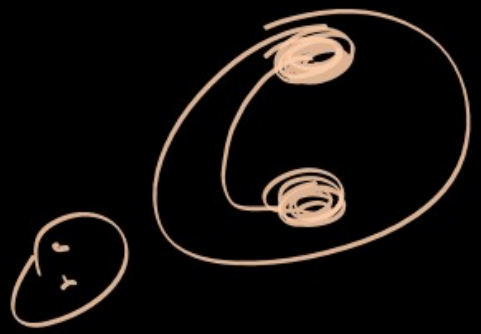
प्रमुख कारण

- भोजन का अभाव।
- साफ-सफाई की कमी।
- अपर्याप्त चिकित्सीय देखभाल।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



IV. आप्रवासी, शरणार्थी और आंतरिक विस्थापित

शब्द	अर्थ
आप्रवासी	अपनी इच्छा से स्वदेश छोड़ने वाले
शरणार्थी	युद्ध, प्राकृतिक आपदा या राजनीतिक उत्पीड़न के कारण स्वदेश छोड़ने को मजबूर
आंतरिक रूप से विस्थापित जन	घर छोड़ने के बावजूद राष्ट्रीय सीमा के भीतर रहने वाले

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

उदाहरण

- 1990 के दशक के शुरुआती वर्षों में हिंसा के कारण कश्मीर घाटी छोड़ने वाले कश्मीरी पंडित → आंतरिक रूप से विस्थापित जन।



प्रमुख तथ्य

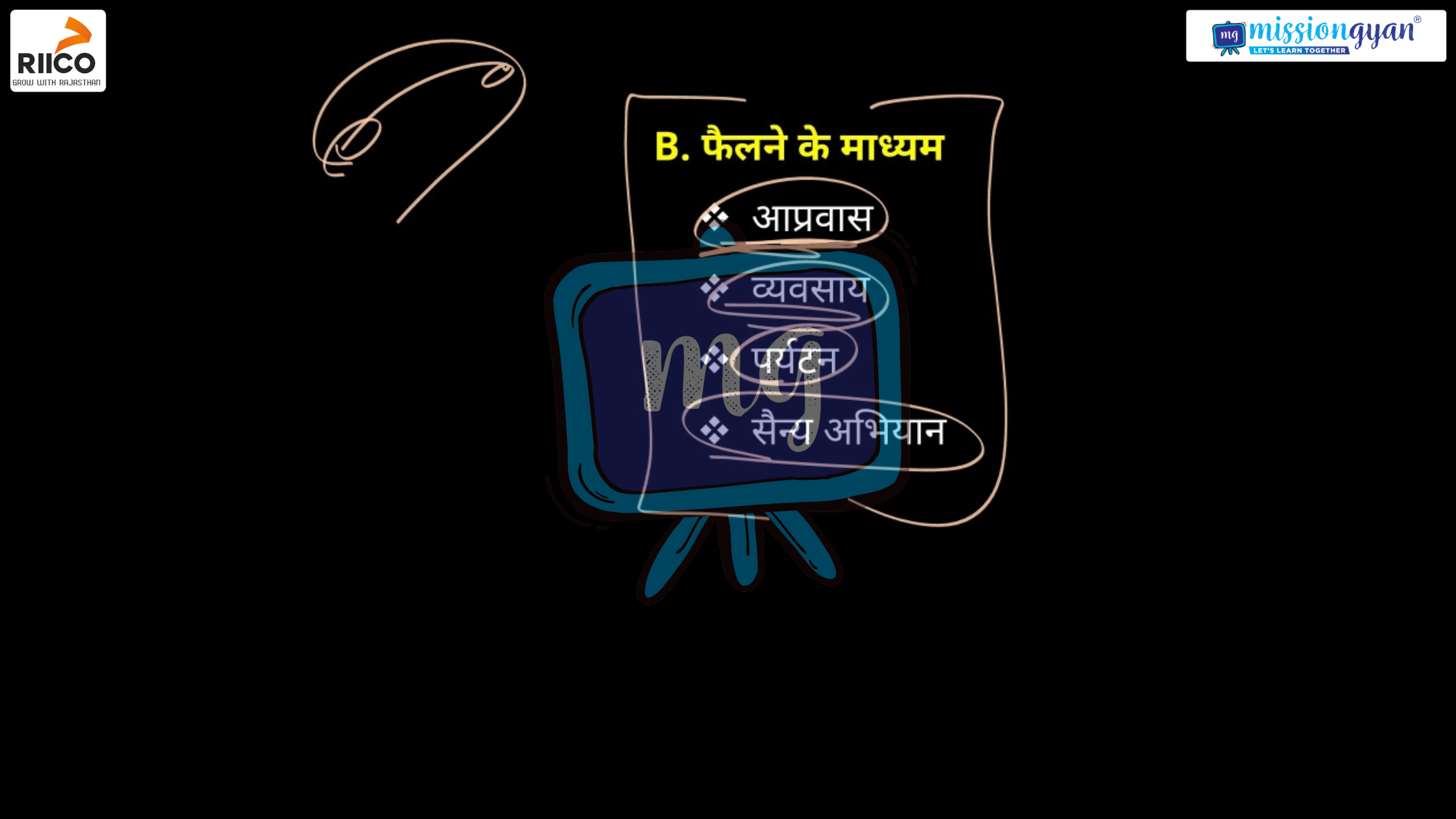
- विश्व का शरणार्थी मानचित्र विश्व के संघर्ष-मानचित्र से लगभग मेल खाता है।
- 1990–1995 के बीच:
  - 70 देशों के बीच 93 युद्ध
  - लगभग साढ़े 55 लाख लोग मारे गए।
- • 1990 के दशक में 60 स्थानों से शरणार्थी प्रवास हुआ; इनमें केवल 3 को छोड़कर शेष के मूल में सशस्त्र संघर्ष था।

विश्व में विस्थापित लोगों को शरण — 2017	
क्षेत्र	प्रतिशत
अफ्रीका	30%
मध्य-पूर्व एवं उत्तरी अफ्रीका	26%
यूरोप	17%
अमेरिका	16%
एशिया एवं पैसिफिक	11%

V. महामारियाँ : सुरक्षा का नया खतरा

A. प्रमुख महामारियाँ

- HIV-AIDS
- SARS
- हैन्टावायरस
- कोरोना
- मलेरिया
- हैजा
- बर्ड फ्लू
- एबोला वायरस
- हेपेटाइटिस-C
- टीबी
- डेंगू


B. फैलने के माध्यम
आप्रवास
व्यवसाय
पर्यटन
सैन्य अभियान

C. मुख्य विशेषता

- किसी एक देश की सफलता या असफलता दूसरे देशों के संक्रमण को प्रभावित करती है।

HIV-AIDS संबंधी दिए गए तथ्य

- 2003 तक लगभग 4 करोड़ लोग संक्रमित।
- इनमें लगभग दो-तिहाई अफ्रीका में।
- शेष संक्रमितों में लगभग 50% दक्षिण एशिया में।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

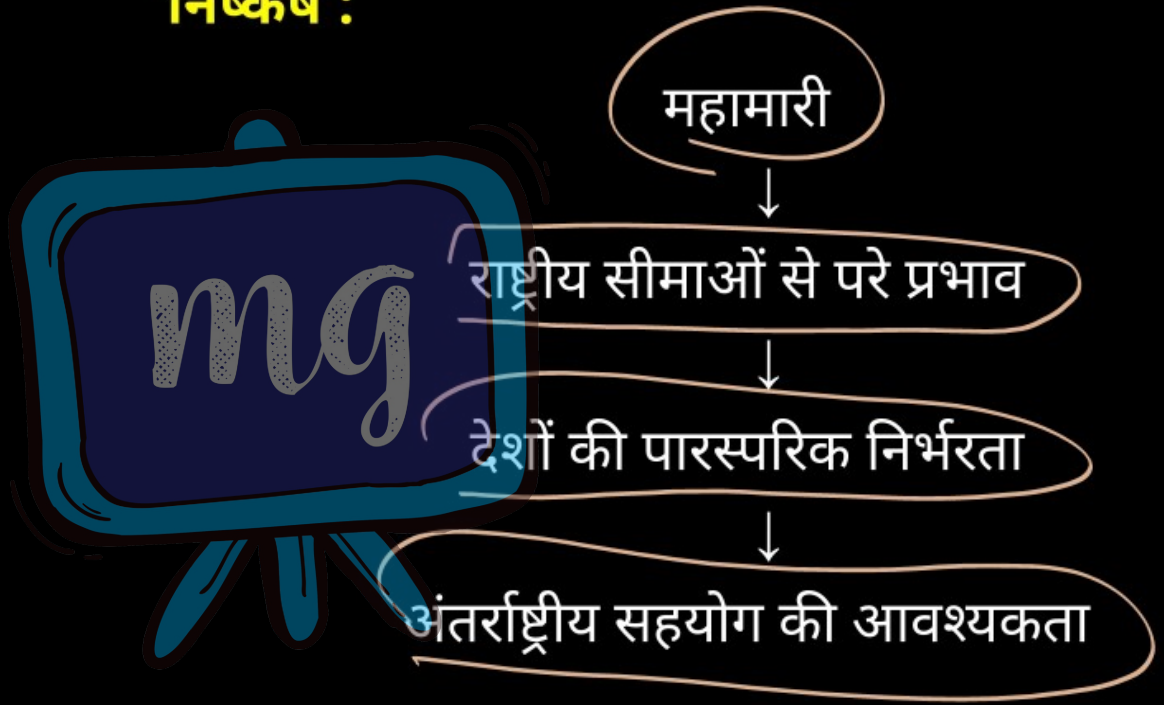
औषधि-प्रतिरोध

- कुछ पुरानी बीमारियों ने औषधि-प्रतिरोधक रूप ग्रहण किया:
  - टीबी
  - मलेरिया
  - डेंगू
  - हैजा आदि।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

निष्कर्ष :



VI. हर समस्या सुरक्षा का प्रश्न नहीं

- सुरक्षा की धारणा को अनंत रूप से विस्तृत नहीं किया जा सकता।
- प्रत्येक कष्ट या बीमारी को सुरक्षा का मसला मानने से अवधारणा अस्पष्ट हो जाएगी।

न्यूनतम मानक

- किसी समस्या को सुरक्षा का प्रश्न तब माना जा सकता है जब:
- उससे राज्य अथवा जनसमूह के अस्तित्व को खतरा हो।

उदाहरण

- मालदीव → वैश्विक तापवृद्धि।
- दक्षिणी अफ्रीका → HIV-AIDS।
- रवांडा की तुत्सी जनजाति → 1994 में अस्तित्व का खतरा।

निष्कर्ष

- अपारंपरिक सुरक्षा भी स्थानीय संदर्भों के अनुसार परिवर्तनशील है।

बहुविकल्पात्मक प्रश्न

Q.1 11 सितम्बर 2001 के आतंकवादी हमले किस संगठन ने किए?

[Model Paper-2026]



A 11

B 11

C 11

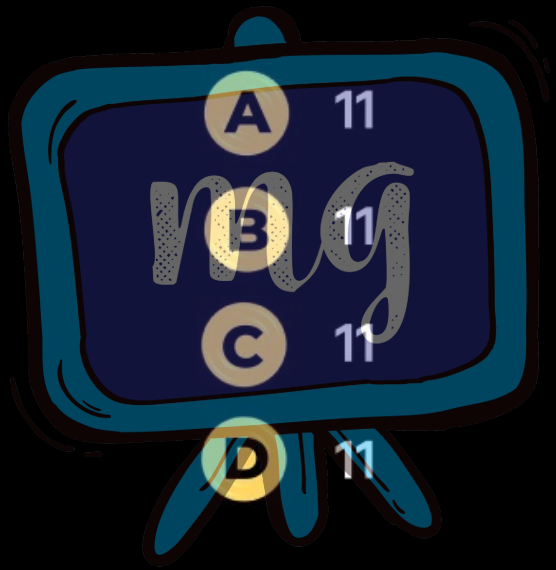
D 11

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q.2 अमेरिका के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर हमला कब हुआ?

[RBSE-2022]



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q.3 युद्ध, प्राकृतिक आपदा अथवा राजनीतिक उत्पीड़न के कारण स्वदेश छोड़ने वाले कहलाते हैं—

(RBSE-2026)



A 11

B 11

C 11

D 11

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.1 शरणार्थी किसे कहते हैं?

[Model Paper-2025]



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q.2 मानवाधिकारों को सामान्यतः कितनी कोटियों में बाँटा गया है? **[RBSE-2026]**



लघूत्तरात्मक प्रश्न

Q.1 अप्रवासी और शरणार्थी में अंतर बताइए।

[RBSE-2023]



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

Q.2 आतंकवाद को अपारंपरिक सुरक्षा-खतरे के रूप में समझाइए। **[RBSE-2026]**



निबंधात्मक प्रश्न

Q.1 अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खतरों के नए स्त्रोत कौन-कौन से हैं?

[Model Paper-2026]



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

सहयोगमूलक सुरक्षा



I. मूल विचार

❖ अपारंपरिक खतरों से निपटने के लिए मुख्य आवश्यकता:

❖ सैन्य संघर्ष नहीं, बल्कि आपसी सहयोग।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

सैन्य शक्ति की सीमाएँ

❖ सैन्य बल से निम्न समस्याओं का समाधान कठिन है:

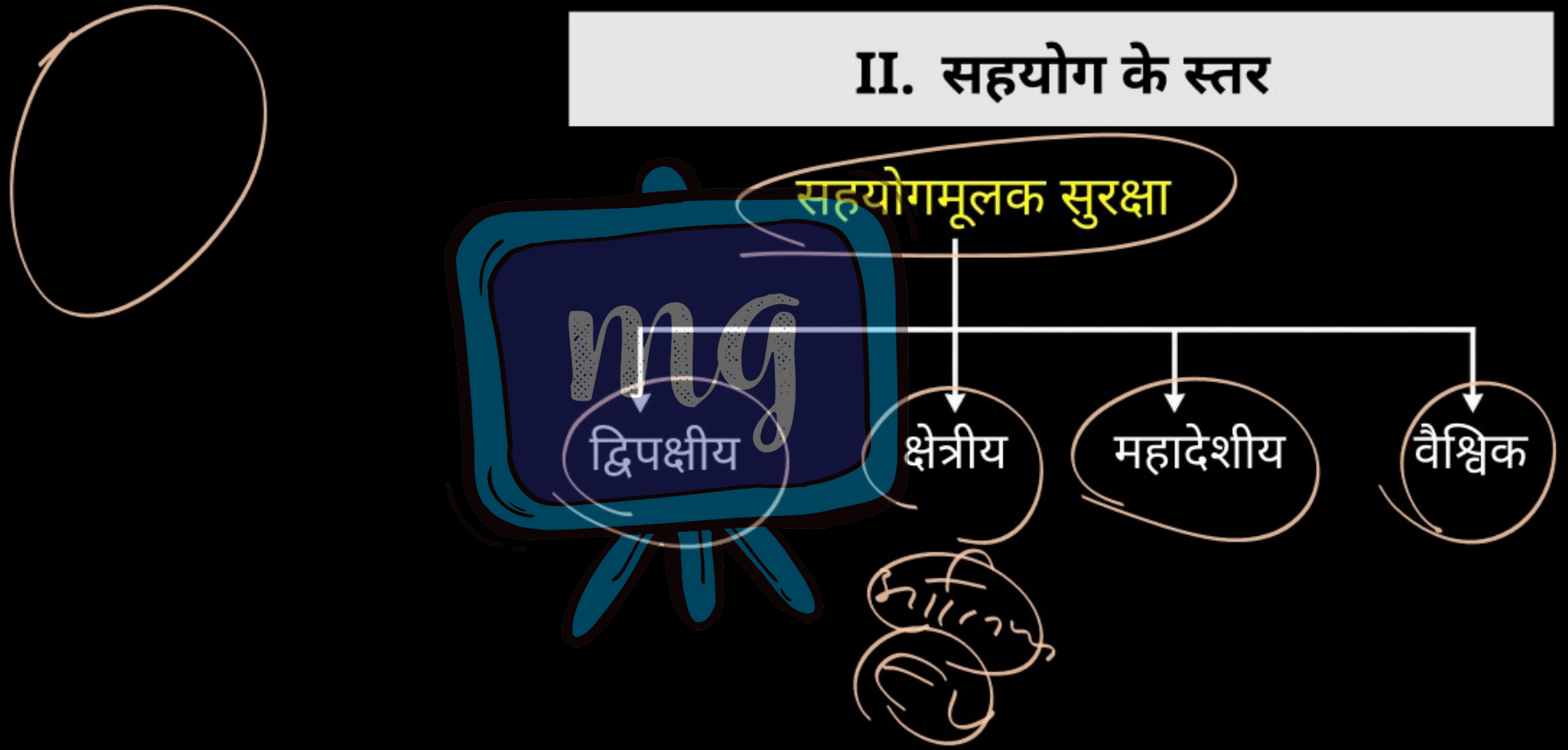
- गरीबी
- महामारी
- तेल एवं बहुमूल्य धातुओं की आपूर्ति
- आप्रवासियों का प्रबंधन
- शरणार्थियों की आवाजाही

कई स्थितियों में सैन्य बल समस्या को और गंभीर बना सकता है।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

II. सहयोग के स्तर



सहयोग किन पर निर्भर?

- खतरे की प्रकृति।
- देशों की इच्छा।
- देशों की क्षमता।



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

III. सहयोगमूलक सुरक्षा के प्रमुख भागीदार

A. देश

B. अंतर्राष्ट्रीय संस्थाएँ

- संयुक्त राष्ट्रसंघ
- विश्व स्वास्थ्य संगठन
- विश्व बैंक
- अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

C. स्वयंसेवी संगठन

NGO

- एमनेस्टी इंटरनेशनल
- रेड क्रॉस



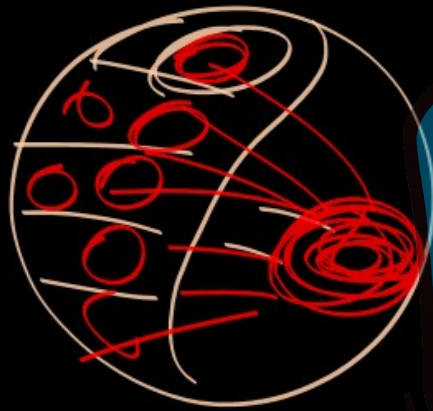
D. अन्य

- निजी संगठन
- दानदाता संस्थाएँ
- धार्मिक संगठन
- मजदूर संगठन
- सामाजिक संगठन
- विकास संगठन
- व्यावसायिक संगठन
- निगम
- जानी-मानी हस्तियाँ।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

IV. बल प्रयोग



- सहयोगमूलक सुरक्षा में भी अंतिम उपाय के रूप में बल प्रयोग संभव है।
- लेकिन इसे:
  - सामूहिक स्वीकृति
  - सामूहिक कार्रवाई

  के आधार पर किया जाना चाहिए।
- किसी एक देश द्वारा एकतरफा बल प्रयोग पर जोर नहीं दिया जाता।

भारत : सुरक्षा की रणनीतियाँ

- भारत को :
  - पारंपरिक खतरे
  - अपारंपरिक खतरे
  - आंतरिक खतरे
  - बाहरी खतरे

  सभी का सामना करना पड़ा है।
- भारत की सुरक्षा नीति के चार प्रमुख घटक बताए गए हैं।

I. प्रथम घटक:सैन्यक्षमता को मजबूत करना

A. कारण

- पड़ोसी देशों के हमलों का सामना।

B. युद्ध/हमले

- पाकिस्तान
  - 1947–48
  - 1965
  - 1971
  - 1999

- चीन
  - 1962

C. परमाणु नीति

- भारत का पहला परमाणु परीक्षण → 1974
- परमाणु परीक्षण → 1998
- 1998 के परीक्षण के समर्थन में सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा का तर्क दिया।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

II. दूसरा घटक : अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं और नियमों को मजबूत करना

A. जवाहरलाल नेहरू द्वारा समर्थन

- एशियाई एकता।
- विऔपनिवेशीकरण।
- निरस्त्रीकरण।
- अंतर्राष्ट्रीय संघर्षों में संयुक्त राष्ट्रसंघ की भूमिका।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

B. भारत का दृष्टिकोण

- हथियारों के अप्रसार में सार्वभौम एवं भेदभावरहित नीति।
- सामूहिक संहार के हथियारों के संबंध में सभी देशों के लिए:
  - समान अधिकार
  - समान दायित्व।

C. अन्य पहल

- नव-अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था की माँग।
- गुटनिरपेक्षता को विश्व-शांति के तीसरे विकल्प के रूप में प्रस्तुत करना।
- भारत उन 160 देशों में शामिल है जिन्होंने 1997 के क्योटो प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर किए।
- संयुक्त राष्ट्रसंघ के शांतिबहाली मिशनों में भारतीय सेना की भागीदारी।

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

III. तीसरा घटक : आंतरिक सुरक्षा

A. प्रमुख चुनौतियाँ

- निम्न क्षेत्रों में अलगाववादी/उग्रवादी गतिविधियों का उल्लेख
  - नगालैंड
  - मिजोरम
  - पंजाब
  - कश्मीर

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

B. भारत का उपाय

- राष्ट्रीय एकता बनाए रखना।
- लोकतांत्रिक राजनीतिक व्यवस्था को अपनाना।
- विभिन्न समुदायों और जनसमूहों को:
  - शिकायत रखने
  - सत्ता में भागीदारी
  - का अवसर देना।

IV. चौथा घटक : आर्थिक सुरक्षा और मानवीय विकास

A. लक्ष्य

- बहुसंख्यक नागरिकों को:
  - गरीबी से मुक्ति।
  - अभाव से मुक्ति।
- आर्थिक असमानता को कम करना।

B. लोकतंत्र की भूमिका

- गरीब एवं वंचित नागरिकों को आवाज उठाने का अवसर।
- निर्वाचित सरकार पर दबाव कि:
  - आर्थिक संवृद्धि
  - मानवीय विकास
  - एक-दूसरे के सहगामी बनें।

रिक्त स्थान –

Q.1 भारत ने सन् _____ में पहला परमाणु परीक्षण किया।

[Model Paper-2023]

लघूत्तरात्मक प्रश्न–

Q.1 भारत की सुरक्षा रणनीति के दो घटक बताइए।

[Model Paper-2023, Model Paper-2025]

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

निबंधात्मक प्रश्न-

Q.1 भारत की सुरक्षा रणनीतियों का विस्तार से वर्णन कीजिए।

[Model Paper-2026]



RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

पारंपरिक बनाम अपारंपरिक सुरक्षा

आधार	पारंपरिक सुरक्षा	अपारंपरिक सुरक्षा
मुख्य संदर्भ	राज्य	व्यक्ति, समुदाय, मानवता
मुख्य खतरा	सैन्य हमला	व्यापक मानवीय खतरे
खतरे का स्रोत	मुख्यतः दूसरा देश	राज्य, गैर-राज्य स्रोत, सामाजिक व वैश्विक समस्याएँ
प्रमुख चिंता	संप्रभुता, स्वतंत्रता, क्षेत्रीय अखंडता	जीवन, गरिमा, आर्थिक सुरक्षा, स्वास्थ्य

RIICO
GROW WITH RAJASTHAN

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

पारंपरिक बनाम अपारंपरिक सुरक्षा

आधार	पारंपरिक सुरक्षा	अपारंपरिक सुरक्षा
उपाय	अपरोध, रक्षा, शक्ति-संतुलन, गठबंधन	सहयोग एवं सामूहिक रणनीति
बल प्रयोग	महत्त्वपूर्ण साधन	सीमित एवं अंतिम विकल्प
प्रमुख धारणा	राष्ट्रीय सुरक्षा	मानवता की सुरक्षा व विश्व सुरक्षा